Adiwasi Arts & Commerce College Santrampur

Department Of Hindi

Departmental Activities

2022-2023

ब्रिज कोर्ष जुलाई 2022

दिनांक 15 से लेकर 17 जुलाई 2022 तक सेमेस्टर-1 प्रथम वर्ष बी.ए. हिन्दी में प्रवेश प्राप्त छात्रों के लिए ब्रिज कोर्ष का आयोजन किया गया था। इसमें हिन्दी विषय की प्राथमिक जानकारी हेतु वस्तुनिष्ठ सवालों से सम्बन्धित कई टेस्ट लिया गया था। हमारे महाविद्यालय के प्राचार्य ने हिन्दी विषय का चयन करने के लिए छात्रों को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की थी। साथ- ही हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आई.एल. राठवा ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि हिन्दी एक वैज्ञानिक लिपि वाली भाषा है और हिन्दी भाषा को किस तरह से पढ़ना- लिखना है, यह भी बड़े विस्तार से बताया था।

14 सितम्बर हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में
हिन्दी सप्ताह समारोह

7 सितम्बर से 14 सितम्बर 2022 तक हिन्दी विभाग द्वारा 'हिन्दी सप्ताह' का आयोजन हुआ था। सप्ताह भर महाविद्यालय के तमाम विषय के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे, वाचन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, काव्य पठन प्रतियोगिता, सुलेखन प्रतियोगिता, वक्तृत्व प्रतियोगिता इत्यादि में जोशोखरोश से हिस्सा लिया था। 14 सितम्बर 2022 बुधवार के दिन हिन्दी सप्ताह समापन समारोह का भव्य आयोजन किया गया था। इस समारोह में मुख्य वक्ता के रुप में विशेषतः रजत ग्रुप ऑफ कॉलेज, उत्तरप्रदेश से डॉ. आर.जे.सिंह साहब उपस्थित रहे थे। इस समापन समारोह में हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान पर रहे छात्रों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया था। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभय परमार ने अतिथि वक्ता का शब्दों से स्वागत परिचय कराया था। समग्र कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मालिनी गौतम ने किया था और आभार प्रस्ताव डॉ. विनोद वणकर ने प्रस्तुत किया था।

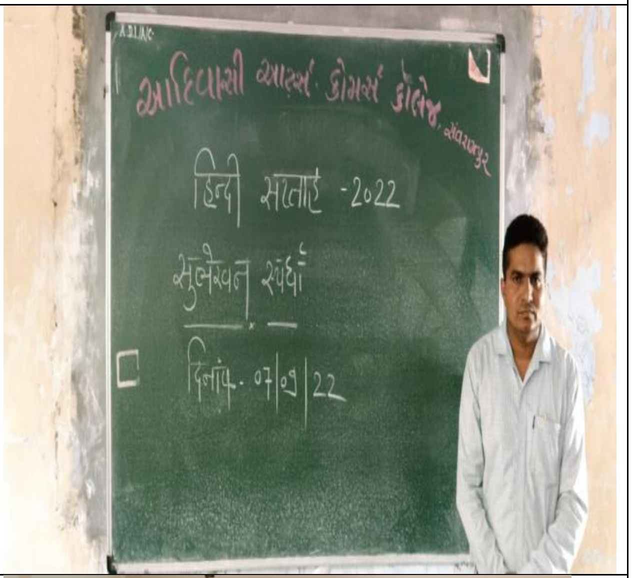
આદિવાસી આર્ટ્સ કોમર્સ કોલેજ,
हिन्दी सप्ताह -2022
सुलेखन स्पर्धा
दिनांक- 07/09/22

ધર્મ-સમાજ

સંતરામપુર આદિવાસી આર્ટસ- કોમર્સ કોલેજમાં હિન્દી સપ્તાહની ઉજવણી

સંતરામપુરની આદિવાસી આર્ટસ એન્ડ કોમર્સ કોલેજમાં હિન્દી વિભાગ દ્વારા હિન્દી સપ્તાહની ઉજવણી આચાર્ય ડો. અભય પરમારના માર્ગદર્શન કરવામાં આવી હતી. જેમા ઉત્તર પ્રદેશથી રજત ગ્રુપ ઓફ કોલેજના રાષ્ટ્રીય અધ્યક્ષ ડો.આર જે. સિંહ મુખ્ય વક્તા તરીકે ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. ઉજવણી અંતર્ગત કાવ્ય પાઠ, વાંચન, સુલેખન, ક્વિઝ, વક્તૃત્વ સ્પર્ધાનું આયોજન કરવામાં આવ્યુ હતું. જેમાં કોલેજના વિદ્યાર્થીઓએ ઉત્સાહપૂર્વક ભાગ લીધો હતો. હિન્દી વિભાગના અધ્યક્ષ ડો.ઈશ્વરસિંહ રાઠવાએ વિદ્યાર્થીઓને પ્રોત્સાહિત કર્યા હતા. તથા વિવિધ સ્પર્ધાઓમાં પ્રથમ નંબર પ્રાપ્ત કરનાર વિદ્યાર્થીઓને સર્ટિફિકેટ આપવામાં આવ્યા હતા.•

हिन्दी पखवाड़ा अंतर्गत एड ऑन कोर्ष

हिन्दी विभाग द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय की अनुमति से हिन्दी सप्ताह को हिन्दी पखवाड़ा में तब्दील करते हुए हिन्दी विषय में भाषा सज्जता विषय पर 16 सितम्बर से 25 सितम्बर तक एक 'एड ऑन कोर्ष' का सफल आयोजन हुआ। इस एड ऑन कोर्ष में कुल मिलाकर 30 छात्रों ने प्रवेश पाप्त किया था। यह कोर्ष लगातार 10 दिनों तक तमाम छात्रों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ था।

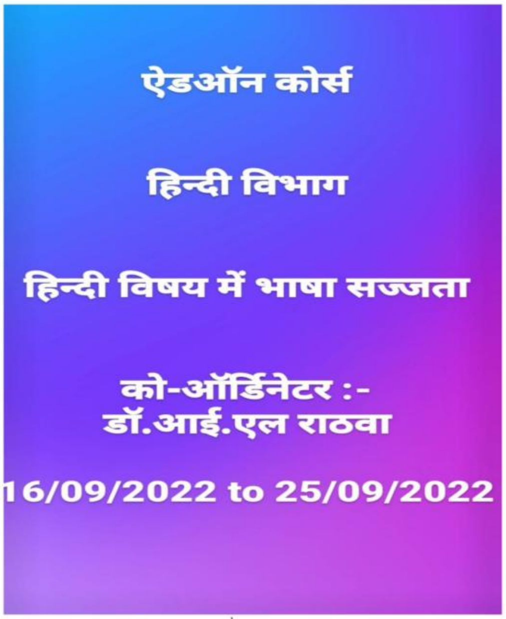

1

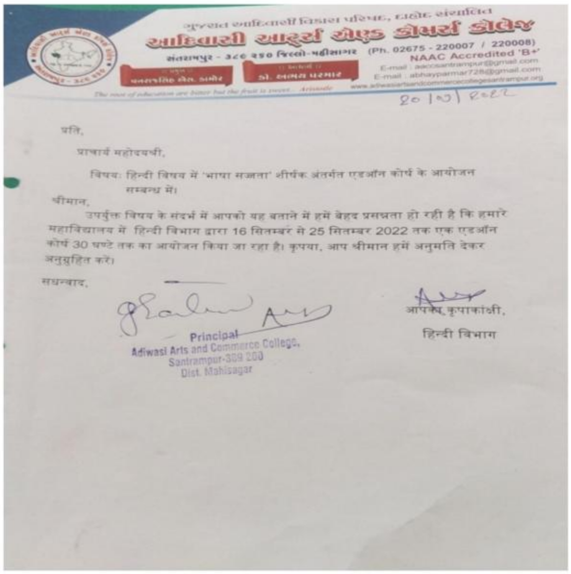

(Ph. 02675 - 220007 / 220008)
NAAC Accredited 'B+'

20/09/2022

प्रति,

प्राचार्य महोदयश्री,

विषयः हिन्दी विषय में 'भाषा सज्जता' शीर्षक अंतर्गत एडऑन कोर्ष के आयोजन सम्बन्ध में।

श्रीमान,

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में आपको यह बताने में हमें बेहद प्रसन्नता हो रही है कि हमारे महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा 16 सितम्बर से 25 सितम्बर 2022 तक एक एडऑन कोर्ष 30 घण्टे तक का आयोजन किया जा रहा है। कृपया, आप श्रीमान हमें अनुमति देकर अनुग्रहित करें।

सधन्यवाद,

Principal
Adiwasi Arts and Commerce College,
Santrampur-389 260
Dist. Mahisagar

आपका कृपाकांक्षी,
हिन्दी विभाग

2

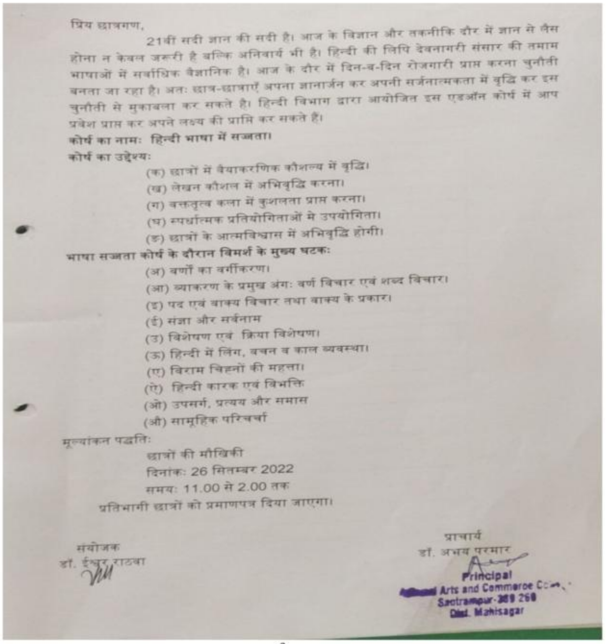

प्रिय छात्रगण,

21वीं सदी ज्ञान की सदी है। आज के विज्ञान और तकनीकि दौर में ज्ञान से लैस होना न केवल जरूरी है बल्कि अनिवार्य भी है। हिन्दी की लिपि देवनागरी संसार की तमाम भाषाओं में सर्वाधिक वैज्ञानिक है। आज के दौर में दिन-ब-दिन रोजगारी प्राप्त करना चुनौती बनता जा रहा है। अतः छात्र-छात्राएँ अपना ज्ञानार्जन कर अपनी सर्जनात्मकता में वृद्धि कर इस चुनौती से मुकाबला कर सकते है। हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित इस एडऑन कोर्ष में आप प्रवेश प्राप्त कर अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकते हैं।

कोर्ष का नामः हिन्दी भाषा में सज्जता।

कोर्ष का उद्देश्यः

(क) छात्रों में वैयाकरणिक कौशल्य में वृद्धि।
(ख) लेखन कौशल में अभिवृद्धि करना।
(ग) वक्तृत्व कला में कुशलता प्राप्त करना।
(घ) स्पर्धात्मक प्रतियोगिताओं मे उपयोगिता।
(ङ) छात्रों के आत्मविश्वास में अभिवृद्धि होगी।

भाषा सज्जता कोर्ष के दौरान विमर्श के मुख्य घटकः

(अ) वर्णों का वर्गीकरण।
(आ) व्याकरण के प्रमुख अंगः वर्ण विचार एवं शब्द विचार।
(इ) पद एवं वाक्य विचार तथा वाक्य के प्रकार।
(ई) संज्ञा और सर्वनाम
(उ) विशेषण एवं क्रिया विशेषण।
(ऊ) हिन्दी में लिंग, वचन व काल व्यवस्था।
(ए) विराम चिह्नों की महत्ता।
(ऐ) हिन्दी कारक एवं विभक्ति
(ओ) उपसर्ग, प्रत्यय और समास
(औ) सामूहिक परिचर्चा

मूल्यांकन पद्धतिः

छात्रों की मौखिकी
दिनांकः 26 सितम्बर 2022
समयः 11.00 से 2.00 तक

प्रतिभागी छात्रों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

संयोजक
डॉ. ईश्वर राठवा

प्राचार्य
डॉ. अभय परमार

Principal
Arts and Commerce College,
Santrampur-389 260
Dist. Mahisagar

3

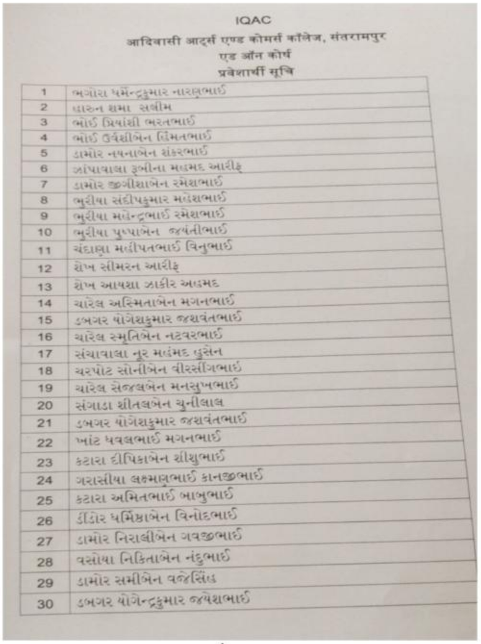

IQAC

आदिवासी आर्ट्स एण्ड कोमर्स कॉलेज, संतरामपुर
एड ऑन कोर्ष
प्रवेशार्थी सूचि

1	ભગોરા ધર્મેન્દ્રકુમાર નારણભાઈ
2	ધારુન શમા સલીમ
3	ભોઈ પ્રિયાંશી ભરતભાઈ
4	ભોઈ ઉર્વશીબેન હિંમતભાઈ
5	ડામોર નયનાબેન શંકરભાઈ
6	ઝાંપાવાલા રૂબીના મહમદ આરીફ
7	ડામોર જ્યોતીશાબેન રમેશભાઈ
8	ભુરીયા સંદીપકુમાર મહેશભાઈ
9	ભુરીયા મહેન્દ્રભાઈ રમેશભાઈ
10	ભુરીયા પુષ્પાબેન જયંતીભાઈ
11	ચંદાણા મહીપતભાઈ વિનુભાઈ
12	શેખ સીમરન આરીફ
13	શેખ આયશા ઝાકીર અહમદ
14	ચારેલ અસ્મિતાબેન મગનભાઈ
15	ડબગર યોગેશકુમાર જશવંતભાઈ
16	ચારેલ સ્મૃતિબેન નટવરભાઈ
17	સંચાવાલા નૂર મહંમદ હુસેન
18	ચરપોટ સોનીબેન વીરસીંગભાઈ
19	ચારેલ સેજલબેન મનસુખભાઈ
20	સંગાડા શીતલબેન ચુનીલાલ
21	ડબગર યોગેશકુમાર જશવંતભાઈ
22	ખાંટ ધવલભાઈ મગનભાઈ
23	કટારા દીપિકાબેન શીશુભાઈ
24	ગરાસીયા લક્ષ્મણભાઈ કાનજીભાઈ
25	કટારા અમિતભાઈ બાબુભાઈ
26	ડીંડોર ધર્મિષ્ઠાબેન વિનોદભાઈ
27	ડામોર નિરાલીબેન ગવજીભાઈ
28	વસોયા નિકિતાબેન નંદુભાઈ
29	ડામોર સમીબેન વજેસિંહ
30	ડબગર યોગેન્દ્રકુમાર જયેશભાઈ

4

AADIWASI ARTS & COMMERCE, COLLEGE,SANTRAMPUR

ADD-ON COURSE 16/09/2022 to 25/09/2022

હિન્દી ભાષા કી સજ્જતા

ATTENDANCE SHEET DATE:- / /

SR.NO	STUDENT NAME	SIGNATURE
1	[illegible]	[illegible]
2	Hirved [illegible]	Hirved. G. S.
3	Bhoj Priyanshi Bharat Bhai	P. B. Bhoi
4	[illegible]	[illegible]
5	[illegible]	Damar. N. J
6	Zapadiya Rubina Moh. Arif	Zapadiya. R. A
7	[illegible]	[illegible]
8	Damaniya Sandipkumar Maheshbhai	S.M. Damaniya
9	Bhuriya [illegible] Rameshbhai	M. R. Bhuriya
10	Bhuriya Pushpaben Jayantibhai	P. J. Bhuriya
11	[illegible]	[illegible]
12	[illegible]	[illegible]
13	Shaikh Aaysha Jakir ahemad	Shaikh A.J.
14	[illegible]	[illegible]
15	Sangada Shitalben Chandulal	S. C Sangada
16	[illegible]	[illegible]
17	Sanchwaniya [illegible]	Sanchwaniya N.S.
18	[illegible]	[illegible]
19	[illegible]	[illegible]
20	[illegible]	[illegible]
21	[illegible]	[illegible]
22	[illegible]	[illegible]
23	[illegible]	Yogesh
24	[illegible]	[illegible]
25	[illegible]	D.S Kataria
26	[illegible]	L.K. [illegible]
27	[illegible]	[illegible]
28	[illegible]	[illegible]
29	[illegible]	[illegible]
30	[illegible]	[illegible]

15

IQAC

आदिवासी आर्ट्स एण्ड कोमर्स कॉलेज, संतरामपुर

एड ऑन कोर्ष

फीडबैक फार्म

कोर्ष का नामः हिन्दी विषय में भाषा सज्जता

छात्र का नामः भोई उर्वशीबेन हिंमतभाई

1. आपको यह कोर्ष कैसा लगा?
   - (i) सामान्य
   - (ii) संतोषकारक
   - (iii) अच्छा
   - ✓(iv) उत्तम
2. आपको कोर्ष द्वारा मार्गदर्शन कैसा मिला?
   - (i) सामान्य
   - (ii) संतोषकारक
   - ✓(iii) अच्छा
   - (iv) उत्तम
3. कोर्ष के माध्यम से भाषाकीय ज्ञानार्जन कैसा रहा?
   - (i) सामान्य
   - ✓(ii) संतोषकारक
   - (iii) अच्छा
   - (iv) उत्तम
4. कोर्ष का समग्रतः प्रभाव कैसा रहा?
   - (i) सामान्य
   - ✓(ii) संतोषकारक
   - (iii) अच्छा
   - (iv) उत्तम
5. इस कोर्ष के सम्बन्ध में आपके विचार प्रस्तुत कीजिए।

....

....

Bhoi U.H.

छात्र का हस्ताक्षर

11

27

ગુજરાત આદિવાસી વિકાસ પરિષદ સંચાલિત

આદિવાસી આર્ટ્સ એન્ડ કોમર્સ કોલેજ, સંતરામપુર

ADD- ON Course

વિષય : હિન્દી વિષયમાં ભાષા સજ્જતા કોર્સ

પ્રમાણપત્ર

આથી પ્રમાણપત્ર આપવામાં આવે છે કે શ્રી/ કુ ભગોરા ધર્મેન્દ્રકુમાર નારણભાઈ અત્રેની કોલેજમાં તા. ૧૬/૦૯/૨૦૨૨ થી તા.૨૫/૦૯/૨૦૨૨ સમય દરમ્યાન લેવાયેલ હિન્દી વિષયમાં ભાષા સજ્જતા એડ-ઓન કોર્સમાં સક્રિય પણે ભાગ લઇ પરીક્ષામાં ઉત્તિર્ણ થયેલ છે. આપનું ભવિષ્ય ઉજ્જવળ બને તેવી શુભેચ્છાઓ.

કોર્સ ક્રમ નં. HIN1/1

તા:- ૨૫/૦૯/૨૦૨૨

સ્થળ : સંતરામપુર

સંયોજક
ડૉ.વિનોદભાઈ વણકર

આચાર્ય
પ્રિ.ડૉ.અભય પરમાર

अहेवाल 25/09/2022

हिन्दी विभाग द्वारा दिनांकः 16 सितम्बर से 26 सितम्बर तक 14 सितम्बर हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा अंतर्गत एडऑन कोर्ष का आयोजन हुआ था। इस एडऑन कोर्ष में कुलमिलाकर 30 छात्रों ने प्रवेश लिया था। यह कोर्ष लगातार 10 दिनों तक तमाम छात्रों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ था।

1. इस कोर्ष द्वारा छात्रों में भाषा के प्रति जागरुकता में अभिवृद्धि हुई।
2. छात्रों के लेखन-कथन कौशल में सहायता प्राप्त हुई।
3. यह कोर्ष स्पर्धात्मक प्रतियोगिताओं के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ।
4. कोर्ष की संपन्नता के बाद छात्र देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता से अभिभूत हुए।
5. छात्रों के आत्मविश्वास में वृद्धि के साथ-साथ हिन्दी भाषा के प्रति सम्मान भी बढ़ा।

संयोजक
डॉ. ईश्वर राठवा

प्राचार्य
डॉ. अभय परमार
Principal
Aadiwasi Arts and Commerce College,
Santrampur-389 260
Dist. Mahisagar

25

आदिवासी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, संतरामपुर हिन्दी विभाग द्वारा दिनांकः 3 फरवरी 2023 शुक्रवार को आंतर विभागीय व्याख्यान अंतर्गत अंग्रेजी विभाग की डॉ. मालिनी गौतम का 'प्लेटो के काव्य सिद्धांत' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया था। अभ्यास क्रम में शामिल पाश्चात्य काव्यशास्त्र में प्लेटो के काव्यशास्त्रीय सिद्धांतो से सेमेस्टर- 6 के छात्रों को मैडम ने अपने ज्ञान से लाभान्वित किया था।

आदिवासी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, संतरामपुर हिन्दी विभाग द्वारा दिनांकः 5 जनवरी 2023 गुरुवार के दिन प्रसिद्ध लेखक धर्मवीर भारती रचित उपन्यास 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' पर निर्मित फिल्म का निदर्शन सेमेस्टर-1 के छात्रों को किया गया था।

आदिवासी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, संतरामपुर हिन्दी विभाग द्वारा दिनांकः 24 जनवरी 2023 मंगलवार को कथा सम्राट प्रेमचंद रचित मशहूर कहानी 'पूस की रात' निर्मित फिल्म का निदर्शन रखा गया था। सामंती व्यवस्था में कैसे किसान पूरा दिन परिश्रम करता है फिर पूस महिने की कड़ाके की ठंड में रात को खेत की रखवाली करता है. बावजूद भी नायक हल्कू की दशा कुछ खास सुधर नहीं बन पाती है, साहूकार, सामंत, जमींदार के शोषण चक्र का कहानी में पर्दाफाश कैसे लेखक ने किया है का पूरा ब्यौरा इस चलचित्र से दर्शकों को चलता है।

आदिवासी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, संतरामपुर हिन्दी विभाग द्वारा दिनांकः 21 मार्च 2023 मंगलवार के दिन विश्व कविता दिवस भी मनाया गया था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभय परमार साहब मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे थे। डॉ. परमार ने छात्रों को कविता के इतिहास का सिलसिलेवार ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए न केवल भारतीय काव्य बल्कि वैश्विक फलक पर कविता की स्थिति से अवगत कराया था। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. ईश्वरसिंह राठवा ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया था। समग्र कार्यक्रम का संचालन करने के साथ-साथ धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. विनोद वणकर ने पेश किया था।

आदिवासी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, संतरामपुर हिन्दी विभाग द्वारा दिनांकः 21 मार्च 2023 मंगलवार को सेमेस्टर- 6 के छात्रों को फ़ील्ड वर्क रुप में सरकारी पुस्तकालय एवं बैंक ऑफ बड़ौदा की मुलाकात के लिये ले जाया गया था। बैंक ऑफ बड़ौदा की मुलाकात के दौरान छात्रों को विशेषकर बैंक के कामकाज में प्रयुक्त राजभाषा हिन्दी की दुरुह शब्दावली से व्यावहारिक रुप से प्रत्यक्ष कराया गया था।

आदिवासी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय हिन्दी विभाग द्वारा 24 मार्च 2023 शुक्रवार को 'राजभाषा हिन्दी और बैंकों में प्रयुक्त शब्दावली' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया था। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रुप में बैंक ऑफ बड़ौदा, संतरामपुर के शाखा प्रबंधक श्री सागर मेश्राम उपस्थित रहे थे। आप साहब ने विषय से सम्बन्धित अपनेविस्तृत विचार प्रस्तुत करते हुए उच्च शिक्षा हेतु छात्रों को मिलने वाले विभिन्न प्रकार के लोन (ऋण) की भी उपयोगी जानकारी प्रदान करी थी। बैंक ऑफ बड़ौदा से ही पधारे सहअधिकारी श्री जयप्रकाशजी ने भी अपने व्याख्यान से न केवल मोटिवेट किया बल्कि साइबर क्राइम, साइबर सुरक्षा, KYC आदि के बारे में प्रश्नोतरी के माध्यम से छात्रों का ज्ञानार्जन किया था। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभय परमार ने अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया था। आभार प्रस्ताव विभागाध्यक्ष डॉ. आई. एल. राठवा ने प्रस्तुत किय़ा था। संम्पूर्ण क्रार्यक्रम का सुचारू संचालन डॉ. विनोद वणकर ने किया था।

PROJECT WORK

हिन्दी विभाग तमाम सेमेस्टर के छात्रों ने हिन्दी के मशहूर कवि व लेखकों व साहित्यकारों को लेकर अपने- अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये हैं, जिनमें उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद को लेकर प्रथम वर्ष बी. ए. सेमेस्टर- 2 की छात्रा रोशनी मकवाणा ने प्रोजेक्ट किया तो तृतीय वर्ष बी. ए. सेमेस्टर- 6 के छात्र डामोर सत्यप्रकाश ने आधुनिकतम वैज्ञानिक आविष्कार रेड़ियो और टेलीविज़न क लेकर शानदार प्रोजेक्ट पेश किया था। आधुनिक हिन्दी साहित्य के पितामह माने जाने वाले कवि हरिश्चंद्र बाबू जो भारतेन्दु के नाम से मशहूर है को लेकर तृतीय वर्ष बी. ए. सेमेस्टर- 6 की छात्रा बामणीया सुरता ने प्रोजेक्ट पेश किया तो तृतीय वर्ष बी. ए. सेमेस्टर- 6 के दो छात्रों भाभोर रोहित और भाभोर सचिन ने विज्ञान के आधुनिकतम आविष्कार कम्प्यूटर को लेकर प्रोजेक्ट किया तो प्रथम वर्ष बी. ए. सेमेस्टर- 2 की छात्रा परमार रोमा ने प्रसिद्ध हालीवादी कवि के रुप में णशहूर कविवर हरिवंशराय बच्चन को लेकर उत्तमोत्तम प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया है। प्रथम वर्ष बी. ए. सेमेस्टर-1 की छात्रा बारीया छाया ने सेवासदन के रचयितामुंशी प्रेमचंद को लेकर प्रोजेक्ट पेश किया तो पर्थम वर्ष बी. ए. सेमेस्टर- 4 की दो छात्राएँ गोधा प्रियंका और गोधा रोशनी ने सुदामा पाण्डेय ‘धुमिल’ को लेकर उम्दा प्रोजेक्ट कार्य किया है, जो क्रमशः निम्नांकित है-

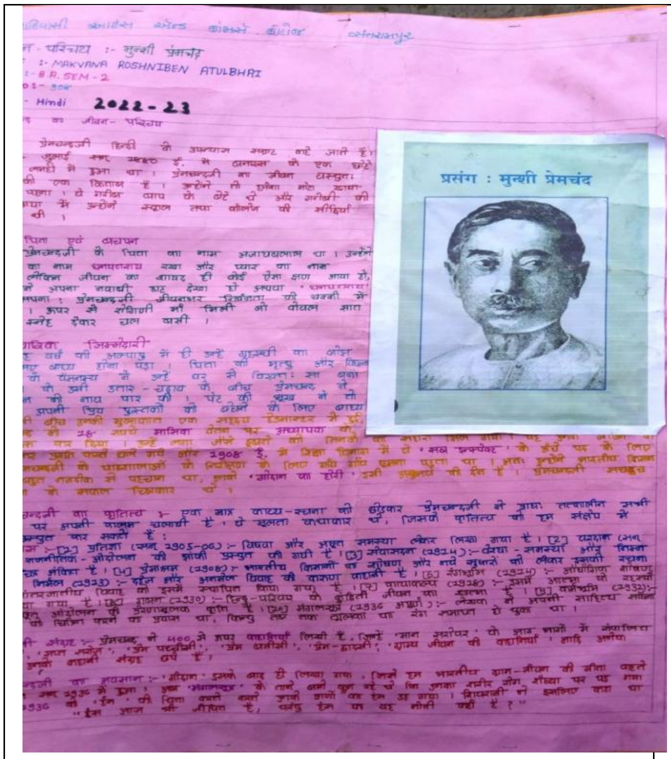
आदिवासी आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज संतरामपुर
जीवन-परिचय :- मुन्शी प्रेमचंद
:- MAKVANA ROSHNIBEN ATULBHAI
:- B.A. SEM - 2
- Hindi 2022 - 23
प्रसंग : मुन्शी प्रेमचंद
प्रेमचन्दजी हिन्दी के उपन्यास सम्राट कहे जाते हैं।
पिता एवं बचपन
जिम्मेदारी

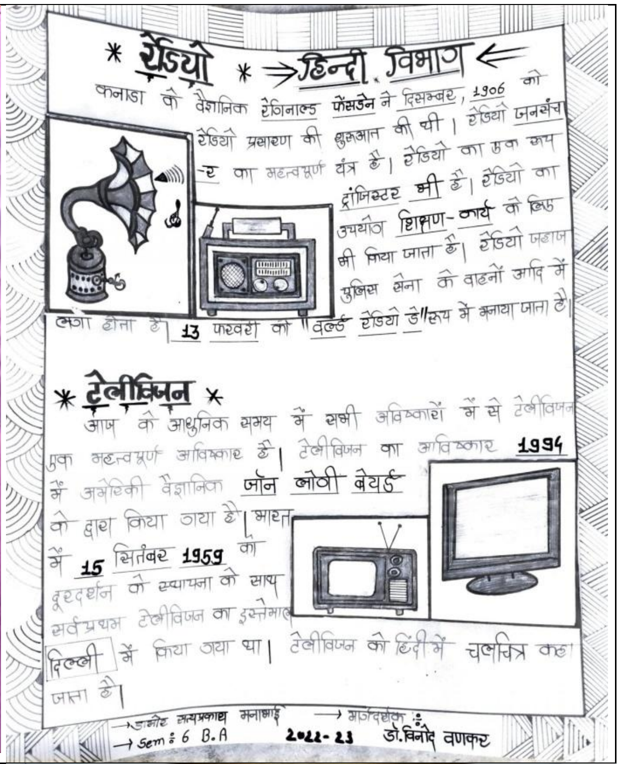
* रेडियो * ⇒हिन्दी विभाग⇐
कनाडा के वैज्ञानिक रेगिनाल्ड फेसडेन ने दिसम्बर, 1906 को रेडियो प्रसारण की शुरुआत की थी। रेडियो जनसंचार का महत्वपूर्ण यंत्र है। रेडियो का एक रूप ट्रांजिस्टर भी है। रेडियो का उपयोग शिक्षण-कार्य के लिए भी किया जाता है। रेडियो जहाज पुलिस सेना के वाहनों आदि में लगा होता है। 13 फरवरी को "वर्ल्ड रेडियो डे" रूप में मनाया जाता है।
* टेलीविजन *
आज के आधुनिक समय में सभी अविष्कारों में से टेलीविजन एक महत्वपूर्ण आविष्कार है। टेलीविजन का आविष्कार 1994 में अमेरिकी वैज्ञानिक जॉन लोगी बेयर्ड के द्वारा किया गया है। भारत में 15 सितंबर 1959 को दूरदर्शन के स्थापना के साथ सर्वप्रथम टेलीविजन का इस्तेमाल दिल्ली में किया गया था। टेलीविजन को हिंदी में चलचित्र कहा जाता है।
→डामोर सत्यप्रकाश मनाभाई
→Sem : 6 B.A
2022- 23
→ मार्गदर्शक : डॉ. विनोद वणकर

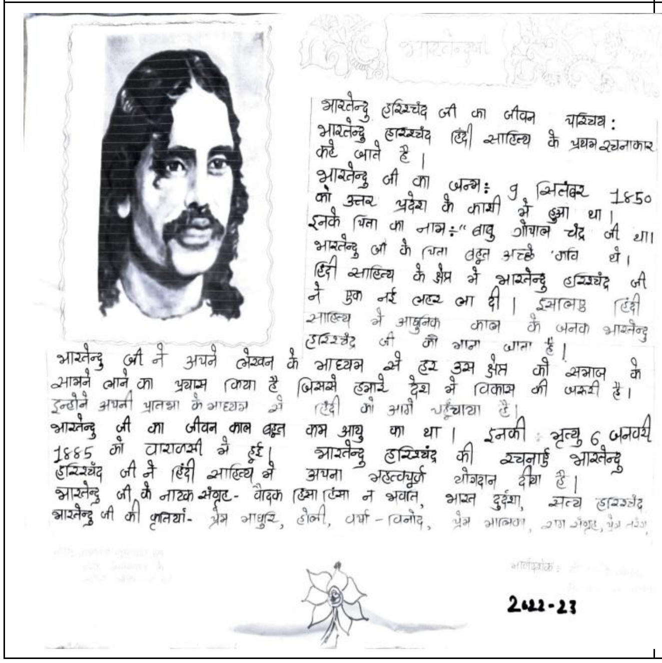
भारतेन्दु हरिश्चंद्र जी का जीवन परिचय :
भारतेन्दु हरिश्चंद्र हिंदी साहित्य के प्रथम रचनाकार कहे जाते है।
भारतेन्दु जी का जन्म : 9 सितंबर 1850 को उत्तर प्रदेश के काशी में हुआ था।
इनके पिता का नाम :"बाबु गोपाल चंद्र जी था।
भारतेन्दु जी के पिता बहुत अच्छे कवि थे।
हिंदी साहित्य के क्षेत्र में भारतेन्दु हरिश्चंद्र जी ने एक नई लहर ला दी। इसलिए हिंदी साहित्य में आधुनिक काल के जनक भारतेन्दु हरिश्चंद्र जी को माना जाता है।
भारतेन्दु जी ने अपने लेखन के माध्यम से हर उस क्षेत्र को समाज के सामने लाने का प्रयास किया है जिससे हमारे देश में विकास की जरूरी है। इन्होंने अपनी प्रतिभा के माध्यम से हिंदी को आगे पहुँचाया है।
भारतेन्दु जी का जीवन काल बहुत कम आयु का था। इनकी मृत्यु 6 जनवरी 1885 को वाराणसी में हुई। भारतेन्दु हरिश्चंद्र की रचनाएँ भारतेन्दु हरिश्चंद जी ने हिंदी साहित्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
भारतेन्दु जी के नाटक संग्रह- वैदिक हिंसा हिंसा न भवति, भारत दुर्दशा, सत्य हरिश्चंद्र
भारतेन्दु जी की कृतियाँ- प्रेम माधुरि, होली, वर्षा - विनोद, प्रेम मालिका, राग संग्रह, प्रेम तरंग,
2022-23

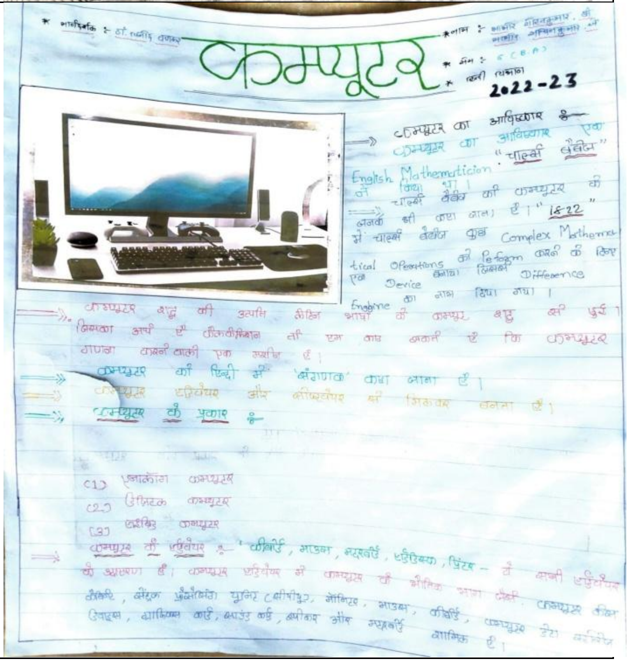
कम्प्यूटर
2022-23
कम्प्यूटर का आविष्कार :-
कम्प्यूटर का आविष्कार एक English Mathematician "चार्ल्स बैबेज" ने किया था।
चार्ल्स बैबेज को कम्प्यूटर का जनक भी कहा जाता है। "1822" में चार्ल्स बैबेज एक Complex Mathematical Operations को Perform करने के लिए एक Device बनाया जिसको Difference Engine का नाम दिया गया।
कम्प्यूटर शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के कम्प्यूट शब्द से हुई।
कम्प्यूटर को हिन्दी में 'संगणक' कहा जाता है।
कम्प्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से मिलकर बनता है।
कम्प्यूटर के प्रकार :-
(1) एनालॉग कम्प्यूटर
(2) डिजिटल कम्प्यूटर
(3) हाइब्रिड कम्प्यूटर
कम्प्यूटर के हार्डवेयर :- कीबोर्ड, माउस, मदरबोर्ड, स्पीकर, प्रिंटर

जीवन परिचय :- "हरिवंश राय बच्चन"
NAME : PARMAR ROMABEN GOPALBHAI
Std :- B.A. SEM-2
Roll. no :- 319 *આદિવાસી આર્ટ્સ એન્ડ કૉમર્સ કૉલેજ*
Sub :- Hindi
2022-23

पूरा नाम :- हरिवंश राय श्रीवास्तव	प्रमुख रचनाएँ :- क्या भूलु क्या याद करुं,
उपाधि :- डॉ. (डाक्टरेट-कैम्ब्रिज)	नीड़ का निर्माण फिर, बसेरे से दूर,
जन्म :- 27 नवम्बर, 1907	दशद्वार से सोपान तक, प्रवास की
जन्मस्थान :- प्रयाग, इलाहाबाद	डायरी, मधुशाला, मधुकलश, मधुबाला,
मृत्यु :- 18 जनवरी, 2003	निशा-निमंत्रण, एकान्त संगीत।
मृत्युस्थान :- मुंबई	भाषा :- हिन्दी
पेशा :- लेखक, कवि, प्राध्यापक	शैली :- विविध शैलियों का प्रयोग।
माता :- सरस्वती देवी	साहित्य काल :- छायावादोत्तर काल
पिता :- प्रताप नारायण श्रीवास्तव	विधाएं :- आत्मकथा, काव्य, कविता।
पत्नी :- श्यामा बच्चन, तेजी बच्चन	साहित्य में स्थान :- हिन्दी के सार्वाधिक लोकप्रिय कवि
पुत्र :- अमिताभ बच्चन, अजिताभ बच्चन	पुरस्कार :- साहित्य अकादमी पद्म भूषण, सरस्वती सम्मान

हरिवंश राय बच्चन का जन्म प्रयाग (इलाहाबाद) में सन् 1907 ई. में हुआ। इनके पिता प्रताप नारायण श्रीवास्तव गाँव - बाबूपट्टी जिला - प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश में रहते थे। बच्चन के पूर्वज मूलरूप से अमोढ़ा (उत्तर प्रदेश) के निवासी थे। हरिवंश राय बच्चन हिन्दी भाषा के प्रसिद्ध लेखक तथा कवि रहे थे। उन्होंने काशी और प्रयाग में शिक्षा प्राप्त की। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से उन्होंने डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। कुछ समय वे इलाहाबाद विश्व विद्यालय में अध्यापक रहे और कालांतर में दिल्ली में भारत के विदेश मंत्रालय में हिन्दी विशेषज्ञ भी रहे। वहीं से उन्होंने अवकाश ग्रहण किया। और कवि सांस की लंबी बीमारी की वजह से हरिवंश राय बच्चन की मृत्यु 18 जनवरी 2003 को मुंबई में हुई।

हरिवंश राय बच्चन हिन्दी कविता के छायावादोत्तर काल के प्रमुख कवियों में से एक हैं। - मधुशाला बच्चन की सबसे प्रसिद्ध कृति है। हिन्दी के सार्वाधिक लोकप्रिय कवियों में हरिवंश राय बच्चन का भी नाम आता है। हिन्दी सिनेमा जगत के प्रसिद्ध अभिनेता अमिताभ बच्चन उनके बड़े पुत्र हैं।

*** हरिवंशराय बच्चन का साहित्यिक एवं कवि परिचय :-**

'हरिवंशराय बच्चन' उत्तर छायावादी काल के आस्थावादी कवि थे। उनकी कविताओं में मानवीय भावनाओं की सामान्य एवं स्वाभाविक अभिव्यक्ति हुई है। सरलता, संगीतात्मकता, प्रवाह और मार्मिकता उनके काव्य की विशेषताएं हैं और इन्ही से उनकी इतनी अधिक लोकप्रियता प्राप्त हुई।

आरम्भ में हरिवंश राय बच्चन' उमर खैय्याम के जीवन-दर्शन से बहुत प्रभावित रहे। इसी ने उनके जीवन को मस्ती से भर दिया। मधुशाला, मधुबाला, हाला और प्याला को उन्होंने प्रतीकों के रूप में स्वीकार किया।

पहली पत्नी श्यामा की मृत्यु के बाद घोर विषाद और निराशा ने उनके जीवन को घेर लिया। इसके स्वर हमको निशा-निमंत्रण' और एकान्त संगीत में सुनने को मिले। इसी समय से हृदय की गम्भीर वृत्तियों का विश्लेषण आरम्भ हुआ। किन्तु 'सतरंगिणी में फिर 'नीड़ का निर्माण किया गया और जीवन का प्याला एक बार फिर उल्लास और आनन्द के आसव से छलकने लगा।

परवर्ती रचनाओं में कवि की वह भावावेशपूर्ण तन्मयता नहीं है, जो उनकी आरम्भिक रचनाओं में पाठकों और श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध करती रही। हरिवंश राय जी का 18 जनवरी 2003 में 95 वर्ष की आयु में मुंबई के एक अस्पताल में सांस की बीमारी की वजह से निधन हो गया। परंतु इनके निधन के बावजुद वे अपनी रचनाओं के माध्यम से लोगों के दिलों में आज भी जिंदा हैं।

जीवन परिचय - मुंशी प्रेमचंद [illegible]
जन्म 31 जुलाई जन्म स्थान लमही (उत्तर प्रदेश) मृत्यु - 8 अक्टूबर 1936 मूलनाम - धनपत [illegible] श्रीवास्तव उर्दु साहित्य नाम - नवाब राय प्रसिद्ध नाम प्रेमचंद पिता - अजायबराय माता - आनंद दे[illegible] (दुसरी पत्नी) संतान - श्रीपतराय, अमृतराय, कमला देवी

रचनाएं - 1. गोदान
2. कर्मभूमि
3. रंगभूमि

भाषा - मुंशी प्रेमचंद ने शुद्ध हिन्दी [illegible] बोली भाषा का प्रयोग अपनी भाषाओ में कि[illegible] इन्होंने उर्दु संस्कृत भाषाओ मे किया है व सरल और सरस रूप में प्र[illegible] किया है।

शैली - मुंशी प्रेमचन्द ने वर्णनात्मक, भावनात्मक, विवेचना[illegible] शैली का प्रयोग किया है।

साहित्य मे स्थान - मुंशी प्रेमचन्द को साहित्य जगत मे उपन्यास सम्राट के नाम से विभूषित किया गया है।

प्रस्तुत कहानी समाज का यथार्थ स्थिति को उद्घाटित करती है मुंशी वंशीधर एक ईमानदार और कर्तव्यपरायण व्यक्ति है।

कहानियाँ - प्रेमचन्द ने लगभग 300 कहानियाँ लिखी। उनक[illegible] कुछ प्रमुख रचनाएँ इस प्रकार हैं दो बेलो की कथा, [illegible] पूस की रात, ईदगाह, दो सखियाँ, नमक का दरोगा, ब[illegible] माता का हृदय, मिस पदमा कजाकी आदि। में प्रेमचंद का योगदान अतुलनीय हैं।

नाम : (१) गोधा प्रियंकाबेन जशवंतभाई   सेम : २   वर्ष : (२०२२ - २३)
(२) गोधा रोशनीबेन विक्रमभाई   मुख्य विषय : समाजशास्त्र   रोल नं : ६०२, ६०३

धूमिल का जीवन परिचय।

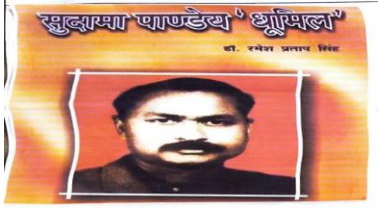

जन्म : ०९ नवम्बर १९३६
निधन : १० फरवरी १९७५

धूमिल का मूल नाम सुदामा पांडेय है। उनका जन्म ९ नवम्बर १९३६ को वाराणसी के निकट गाँव खेवली में हुआ था। इनके पूर्वज कहीं दूर से खेवली मे आ बसे थे। धूमिल के पिता शिवनायक पांडे एक मुनीम थे व इनकी माता रजवंती देवी घरबार संभालती थी। जब धूमिल ग्यारह वर्ष के थे तो इनके पिता का देहांत हो गया। आपका बचपन संघर्षमय रहा।

धूमिल का विवाह १२ वर्ष की आयु में मूरतदेवी से हुआ। १९५३ में जब अपने हाइस्कूल उत्तीर्ण किया तो आप गांव के पहले ऐसे व्यक्ति थे जिसने मेट्रिक पास की थी। आर्थिक [illegible] के रहते वे अपनी पढ़ाई जारी न रख सके। स्वाध्याय [illegible] व पुस्तकालय दोनों के बल पर उनका बौद्धिक विकास होता रहा। रोजगारी की तलाश 'धूमिल' को कलकत्ता ले आई। कहीं ढंग का काम न मिला तो लोहा ढोने का काम किया व मजदूर की जिंदगी को करीब से जाना। इस काम की जानकारी उनके सहपाठी मित्र [illegible] पांडे को मिली तो उन्होंने अपनी जानकारी में उन्हें एक लकड़ी की कम्पनी (मैसर्स तलवार ब्रदर्स प्रा. लि.) में नौकरी दिलवा दी। वहाँ वे लगभग डेढ़ वर्ष तक एक अधिकारी के तौर पर कार्यरत रहे। इस बीच अस्वस्थ होने पर स्वास्थ्य लाभ हेतु घर लौट आए। बीमारी के दौरान मालिक ने उन्हे मोतीहारी से गोहाटी चले जाने को कहा। 'धूमिल' ने अपने अस्वस्थ होने का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। मालिक का घमंड बोल उठा, "आई एम पेइंग फोर माई वर्क, नोट फोर योर हेल्थ।"

फिर क्या था? साढे चार रुपे की नोकरी, प्रति [illegible] मिलनेवाला कमीशन वहीं छोड़ आए। धूमिल ने सबको लात लगा दी। इसी घटना से धूमिल [illegible] और मजदूरों के दृष्टिकोण व फासले को समझे। अब उनका जनवादी संघर्ष उनकी कविता में आक्रोश बन प्रकट होनेवाला था। धूमिल को हिंदी कविता के संघर्ष का कवि कहा जाता है।

१९५८ में 'धूमिल' ने काशी विश्वविद्यालय के औद्योगिक संस्थान में प्रवेश लिया। १९५८ में प्रथम श्रेणी से प्रथम स्थान लेकर विद्युत का डिप्लोमा लिया। वहीं विद्युत अनुदेशक के पद पर नियुक्त हो गए। फिर वहीं नौकरी व पदोन्नति पाकर वे बलिया, बनारस व सहारनपुर में कार्यरत रहे। १९७४ में जब वे सीतापुर में कार्यरत थे तो वे अस्वस्थ हो गये। अपनी स्पष्टवादिता व [illegible] कारण उन्हें अधिकारियों का कोपभाजन होना पड़ा। अधिकारी अपना दबाव बनाए रखने के [illegible] किसी ढंग से उत्पीड़ित करते रहते थे। यही दबाव 'धूमिल' के मानसिक तनाव का कारण बन गया। १९७४ को असहनीय सिर दर्द के कारण 'धूमिल' को काशी विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया [illegible] डॉक्टर ने उन्हें ब्रेन ट्यूमर बताया। नवम्बर १९७४ को उन्हें लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया। यहाँ उनके मस्तिष्क का ऑपरेशन हुआ लेकिन इसके बाद वे कोमा में चले गए और बेहोशी की इसी अवस्था में ही १० फरवरी १९७५ को वे काल के भाजक बन गए।

धूमिल की साहित्यिक कृतियाँ :-
- संसद से सड़क तक
- कल सुनना मुझे (संपादक - [illegible])
- धूमिल की कविताएँ (संपादक - डॉ. शुकदेव)
- सुदामा पांडे का प्रजातंत्र (संपादक - [illegible])

धूमिल को मरणोपरांत १९७९ में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।